सोमवार, 22 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

इंग्लैंड दौरे के लिए वनडे टीम का ऐलान विराट कोहली की वापसी

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

सनी देओल के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करेंगे करण देओल

Page-05

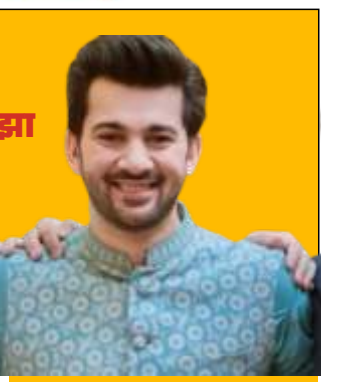

11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

देशभर में योगमय हुआ भारत

देशभर में रविवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अभूतपूर्व उत्साह, जनभागीदारी और भव्य आयोजनों के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" रही, जिसने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच संतुलन के संदेश को प्रमुखता से सामने रखा। देश के विभिन्न हिस्सों में लाखों लोगों ने एक साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों ने एक बार फिर यह साबित किया कि योग अब केवल भारत की परंपरा नहीं, बल्कि एक वैश्विक जन आंदोलन बन चुका है।मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्रिमंडल के कई सदस्य, सैन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग मौजूद रहे। समुद्र तट पर आयोजित इस विशाल कार्यक्रम में लाखों लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला।अपने संबोधन में

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का साधन नहीं, बल्कि यह मन, बुद्धि और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि आज विश्व के लगभग सभी देशों में योग को अपनाया जा रहा है और यह मानवता को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण शक्ति बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तनावपूर्ण और व्यस्त जीवनशैली के इस दौर में योग मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।योग दिवस के अवसर पर देशभर के स्कूलों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, सेना की इकाइयों, पुलिस प्रतिष्ठानों और सामाजिक संगठनों ने बड़े पैमाने पर सामूहिक योग सत्र आयोजित किए। कई राज्यों ने रिकॉर्ड संख्या में लोगों की भागीदारी का दावा किया। भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान सीमाओं पर तैनात जवानों ने भी दुर्गम परिस्थितियों में योगाभ्यास कर देशवासियों को स्वास्थ्य और अनुशासन का संदेश दिया। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों तथा हिमालयी क्षेत्रों के ऊंचाई वाले सैन्य ठिकानों पर भी विशेष योग कार्यक्रम आयोजित किए गए।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारतीय दूतावासों और सांस्कृतिक केंद्रों ने विभिन्न देशों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय सहित कई वैश्विक संस्थाओं में भी योग दिवस मनाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 महामारी के बाद स्वास्थ्य के प्रति बढ़ी जागरूकता ने योग की लोकप्रियता को और बढ़ाया है। योग दिवस के सफल आयोजन को भारत की सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक कूटनीतिक प्रभाव की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप की धमकी से अमेरिका-ईरान वार्ता में तनाव विरोध जताकर बैठक से बाहर निकला ईरानी प्रतिनिधिमंडल

ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति की इस टिप्पणी पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। ईरान की नेशनल असेंबली के स्पीकर और वार्ता प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मोहम्मद बाघेर गलीबाफ ने ट्रंप के बयान को धमकी भरा बताते हुए कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिकी धमकियां वास्तव में प्रभावी होतीं, तो आज अमेरिका को मौजूदा परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता। गलीबाफ ने कहा कि अमेरिकी नेताओं को अपने बयानों में अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान किसी भी दबाव में आने वाला नहीं है और उसकी सेना हर स्थिति का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।सूत्रों के मुताबिक, ट्रंप की टिप्पणी को लेकर ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी पक्ष के सामने औपचारिक विरोध भी दर्ज कराया। ईरानी अधिकारियों का कहना था कि इस तरह के सार्वजनिक बयान वार्ता प्रक्रिया को कमजोर करते हैं और कूटनीतिक प्रयासों को नुकसान पहुंचाते हैं। विरोध के बाद स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल बैठक कक्ष छोड़कर बाहर निकल गया। हालांकि इससे पहले दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच लगभग 82 मिनट तक बातचीत हुई थी।वार्ता को पटरी पर बनाए रखने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान और कतर ने सक्रिय प्रयास किए। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने ईरानी पक्ष को समझाने और बातचीत जारी रखने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिशें सफल नहीं हो सकीं। बताया जा रहा है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल अपने रुख पर कायम रहा और बैठक में वापस लौटने के लिए तैयार नहीं हुआ।इस घटनाक्रम ने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता के भविष्य को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों पक्षों के बीच बयानबाजी और टकराव का दौर जारी रहता है, तो कूटनीतिक समाधान की संभावनाएं कमजोर पड़ सकती हैं। फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में दोनों देश बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई नीट-यूजी पुनर्परीक्षा

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा रविवार को देशभर में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। पेपर लीक विवाद और परीक्षा प्रणाली पर उठे सवालों के बाद आयोजित इस परीक्षा पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई थीं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अनुसार, देश और विदेश के 5,400 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया।परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए इस बार सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। पहली बार प्रश्नपत्रों की ढुलाई के लिए भारतीय वायुसेना की सहायता ली गई। कई राज्यों में प्रश्नपत्रों को सुरक्षा बलों की निगरानी में केंद्रों तक पहुंचाया गया। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक जांच, फेस रिकॉग्निशन और दस्तावेज सत्यापन किया गया। इसके अलावा सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, एआई आधारित निगरानी प्रणाली और पुलिस बल की तैनाती की गई थी।परीक्षा देकर बाहर निकले अधिकांश छात्रों ने प्रश्नपत्र को मध्यम स्तर का बताया। छात्रों के अनुसार, जीव विज्ञान खंड अपेक्षाकृत आसान रहा, जबकि भौतिकी के कुछ प्रश्न चुनौतीपूर्ण थे। शिक्षाविदों का मानना है कि इस बार कट-ऑफ पिछले वर्ष की तुलना में कुछ अलग हो सकती है। हालांकि वास्तविक स्थिति आधिकारिक उत्तर कुंजी जारी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार और एनटीए की विश्वसनीयता दांव पर लगी हुई थी। ऐसे में इस परीक्षा का सफल आयोजन सरकार के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। एनटीए ने बताया कि जल्द ही अस्थायी उत्तर कुंजी जारी की जाएगी और छात्रों को आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद अंतिम परिणाम घोषित किए जाएंगे। अब देशभर के लाखों अभ्यर्थी परिणाम और काउंसलिंग प्रक्रिया का इंतजार कर रहे हैं।

जनगणना 2027 में तेजी, 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पहला चरण पूरा

देश में लंबे अंतराल के बाद शुरू हुई जनगणना 2027 की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। 21 जून को जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, देश के 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जनगणना के पहले चरण यानी हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस का कार्य पूरा कर लिया गया है। जबकि आठ अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस प्रगति को देश की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायद की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।केंद्रीय गृह मंत्रालय और जनगणना आयुक्त कार्यालय के अनुसार, इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जा रही है। पहली बार नागरिकों को स्वयं ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने की सुविधा भी दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल प्रणाली के कारण आंकड़ों के संग्रहण और विश्लेषण में तेजी आएगी तथा त्रुटियों की संभावना कम होगी।विशेष महत्व की बात यह है कि आगामी जनगणना में जातीय गणना भी शामिल की जाएगी। इसके कारण इस पूरी प्रक्रिया पर राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का कहना है कि सटीक आंकड़े भविष्य की कल्याणकारी योजनाओं, संसाधनों के वितरण और नीतिगत निर्णयों में सहायक होंगे।

लद्दाख में 23 जून को बंद का आह्वान, केंद्र पर समझौते से पीछे हटने का आरोप

लद्दाख की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। क्षेत्र के दो प्रमुख संगठनों, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने 23 जून को लद्दाख बंद का आह्वान किया है। दोनों संगठनों ने केंद्र सरकार पर मई में हुई वार्ता के दौरान किए गए आश्वासनों से पीछे हटने का आरोप लगाया है। 21 जून को जारी संयुक्त बयान में संगठनों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।एलएबी और केडीए लंबे समय से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष संरक्षण, राज्य का दर्जा, रोजगार सुरक्षा और स्थानीय युवाओं के लिए संवैधानिक गारंटी की मांग कर रहे हैं। संगठनों का कहना है कि केंद्र सरकार के साथ 22 मई को हुई वार्ता में कुछ बिंदुओं पर सकारात्मक संकेत मिले थे, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है।संयुक्त बयान में नेताओं ने कहा कि लद्दाख के लोगों ने हमेशा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है, लेकिन उनकी लोकतांत्रिक और संवैधानिक मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र ने जल्द कोई ठोस पहल नहीं की, तो क्षेत्रव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लद्दाख का मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण होता जा रहा है। वर्ष 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से क्षेत्र में राजनीतिक प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक अधिकारों को लेकर लगातार बहस चल रही है। ऐसे में आगामी बंद और आंदोलन केंद्र सरकार के लिए नई चुनौती बन सकते हैं। लद्दाख के दोनों संगठनों ने आम जनता, व्यापारिक संगठनों और सामाजिक संस्थाओं से बंद को सफल बनाने की अपील की है। अब सबकी निगाहें केंद्र सरकार की अगली प्रतिक्रिया पर टिकी हुई हैं।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वार्टर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

अमेरिका-ईरान वार्ता शुरू स्विट्जरलैंड में शांति समझौते पर अहम बातचीत

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्विट्जरलैंड में जारी वार्ता सफल रहती है, तो इससे मध्य पूर्व में लंबे समय से जारी तनाव कम हो सकता है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच कई मतभेद अभी भी बने हुए हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता स्थायी शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होती है या नहीं।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में लगातार बढ़ते तनाव के बीच 21 जून को अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में उच्चस्तरीय वार्ता शुरू हुई। दोनों देशों के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां तेज हैं और परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंताएं बढ़ी हुई हैं। स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में आयोजित इस बैठक को पिछले कई वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें इस वार्ता पर टिकी हुई हैं, क्योंकि इसके परिणाम न केवल अमेरिका और ईरान के संबंधों को प्रभावित करेंगे, बल्कि पूरे मध्य पूर्व की स्थिरता पर भी असर डाल सकते हैं।अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जबकि ईरान की ओर से संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ समेत कई वरिष्ठ अधिकारी बातचीत में शामिल हुए हैं। दोनों पक्षों के बीच परमाणु कार्यक्रम, आर्थिक प्रतिबंधों में राहत, क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल आपूर्ति और लेबनान में जारी संघर्ष जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही है। अमेरिका का कहना है कि यदि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर स्पष्ट और विश्वसनीय आश्वासन देता है, तो दोनों देशों के संबंधों में सकारात्मक बदलाव संभव है।वार्ता के दौरान ईरान ने एक बार फिर कहा कि वह किसी भी समझौते के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए अमेरिका को आर्थिक प्रतिबंधों में राहत देनी होगी। ईरान लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों को अपनी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बताता रहा है। दूसरी ओर, अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि किसी भी समझौते के लिए ईरान को अंतरराष्ट्रीय परमाणु मानकों का पालन करना होगा और अपनी परमाणु गतिविधियों को पारदर्शी बनाना होगा।इस बीच, होरमुज जलडमरूमध्य को लेकर भी तनाव बना हुआ है। ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि उस पर दबाव बढ़ाया गया, तो वह क्षेत्रीय रणनीतिक विकल्पों पर विचार कर सकता है। इस बयान के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजारों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि दुनिया के बड़े हिस्से का तेल व्यापार इसी मार्ग से होकर गुजरता है। अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्विट्जरलैंड में जारी वार्ता सफल रहती है, तो इससे मध्य पूर्व में लंबे समय से जारी तनाव कम हो सकता है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच कई मतभेद अभी भी बने हुए हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता स्थायी शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होती है या नहीं।

बालेन शाह ने भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को तूल दिया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने एक बार फिर भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को तूल दिया है। अपनी पार्टी की बैठक में उन्होंने कहा कि नेपाल के पास लिपुलेख-कालापानी क्षेत्र पर दावा करने के लिए उनके पास पर्याप्त सबूत हैं। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देशों से बातचीत कर समस्या सुलझाने की बात भी कही। बता दें कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी का मुद्दा भारत-नेपाल के बीच सालों पुराना है। यह क्षेत्र त्रिकोणीय सीमा पर स्थित है जहां नेपाल, भारत और चीन मिलते हैं। नेपाल का कहना है कि 1816 के सुगौली संधि के मुताबिक काली नदी इस क्षेत्र की सीमा है, जबकि भारत अपना नियंत्रण जताता रहा है। बालेन शाह ने अपनी पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की बैठक में इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने दावा किया कि नेपाल के पास मजबूत सबूत हैं। उन्होंने कहा- हम पड़ोसियों से बात करके इसका समाधान निकालना चाहते हैं। पिछले दिनों संसद में भी बालेन शाह ने इसी मुद्दे पर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि नेपाल भी कुछ जगहों पर भारतीय क्षेत्र में घुसा हुआ है। इस बयान से नेपाल की राजनीति में तूफान आ गया। विपक्षी दल और कई नेता उनके बयान की आलोचना कर रहे हैं। कुछ नेताओं ने कहा कि संसद चाय की दुकान नहीं है, ऐसे दावे सबूत के साथ करने चाहिए। छात्र संगठनों और कुछ दलों ने बालेन शाह के इस्तीफे की मांग भी की है। हाल ही में लिपुलेख क्षेत्र को लेकर नई तनाव की खबरें आई थीं, जिसके बाद यह मुद्दा और गर्माया है।

देश में 5440 और विदेशों के 14 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई परीक्षा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

NEET UG री-एग्जाम 2026 का परिणाम अगले महीने जुलाई के आखिर तक जारी हो सकता है। परिणाम जारी होने के बाद कैंडिडेट ऑफिशियल वेबसाइट neet.nta.nic.in पर जाकर खुद का स्कोरकार्ड डाउनलोड कर देख सकते हैं। जान लें कि NEET री-एग्जाम आज (रविवार को) आयोजित किया गया था, जिसमें लाखों अभ्यर्थियों ने भाग लिया। पिछले कुछ साल के रुझानों को अगर देखें तो NEET का परिणाम आमतौर पर एग्जाम होने के 40 से 45 दिनों के अंदर घोषित कर दिया जाता है। साल 2025 में NEET री-एग्जाम 4 मई को हुआ था और उसका रिजल्ट 14 जून को यानी 41 दिनों के अंदर जारी कर दिया गया था। वहीं, 2024 में NEET की मुख्य परीक्षा 5 मई को आयोजित की गई थी और उसका रिजल्ट 4 जून को घोषित हुआ था। इसके बाद, री-एग्जाम 23 जून को कराया गया था, जिसका रिजल्ट 30 जून को जारी हुआ था। NEET UG री-एग्जाम 2026 के बारे में और ज्यादा जानकारी के लिए कैंडिडेट ऑफिशियल वेबसाइट neet.nta.nic.in पर विजिट कर सकते हैं।

NEET (UG) 2026 री-एग्जाम आज देशभर के 5 हजार 440 और विदेशों के 14 परीक्षा केंद्रों पर 20 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स ने दिया। हिंदी और अंग्रेजी समेत 13 भाषाओं में आयोजित इस एग्जाम के सफल संचालन के पीछे सिर्फ NTA ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की सामूहिक व्यवस्था है। सिर्फ 37 दिनों के रिकॉर्ड वक्त में एग्जाम की तैयारी पूरी की गई और इसके लिए पूरे भारत में लगभग 7 लाख अफसरों, पुलिसकर्मियों, पर्यवेक्षकों और परीक्षा कर्मियों को तैनात किया गया। इस व्यापक समन्वय का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि एग्जाम के दिन हर कैंडिडेट का ध्यान सिर्फ उसके पेपर पर हो और परीक्षा निष्पक्ष तरीके संपन्न हो सके।

संयुक्त राष्ट्र की निगरानी एजेंसी ने ईरान से मांगी पूरी जानकारी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

और कई पश्चिमी देशों ने ईरान से उसके संवर्धित यूरेनियम भंडार तथा परमाणु गतिविधियों के बारे में पूरी जानकारी साझा करने की मांग दोहराई है। इस मुद्दे को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई कूटनीतिक हलचल शुरू हो गई है।आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी ने कहा है कि ईरान को अंतरराष्ट्रीय निरीक्षकों के साथ पूर्ण सहयोग बहाल करना चाहिए। उनका कहना है कि वैश्विक सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने के लिए परमाणु कार्यक्रम की पारदर्शिता आवश्यक है। एजेंसी का मानना है कि ईरान के पास मौजूद संवर्धित यूरेनियम के भंडार और उसकी वर्तमान स्थिति को लेकर स्पष्ट जानकारी मिलना जरूरी है।अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी सहित कई पश्चिमी देशों ने भी तेहरान से अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करने का आग्रह किया है। इन देशों का कहना है कि परमाणु गतिविधियों को लेकर अस्पष्टता क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ा सकती है। पश्चिमी देशों ने चेतावनी दी है कि यदि सहयोग नहीं बढ़ा, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अतिरिक्त कूटनीतिक दबाव बनाया जा सकता है।हालांकि ईरान ने इन मांगों को राजनीतिक दबाव करार दिया है। तेहरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों के दायरे में काम कर रहा है। ईरानी अधिकारियों ने यह भी कहा है कि किसी भी नए समझौते के लिए आर्थिक प्रतिबंधों में राहत आवश्यक होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी वार्ताओं में परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा सबसे अहम रहेगा।

रूस के बड़े हमले की आशंका, जेलेंस्की ने दुनिया से मांगी अतिरिक्त सैन्य सहायता

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 21 जून को दावा किया कि रूस आने वाले दिनों में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर सकता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपने देश की वायु रक्षा प्रणाली को और मजबूत करने के लिए तत्काल अतिरिक्त सैन्य सहायता देने की अपील की है। जेलेंस्की का कहना है कि रूस लगातार हमलों की तीव्रता बढ़ा रहा है और नागरिक क्षेत्रों को भी निशाना बना रहा है।यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में रूस ने सीमावर्ती क्षेत्रों, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और सैन्य ठिकानों पर कई हमले किए हैं। इन हमलों में बड़ी संख्या में ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। यूक्रेन का दावा है कि उसने अधिकांश हमलों को नाकाम कर दिया, लेकिन कुछ क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।दूसरी ओर, यूक्रेन ने भी रूस के भीतर कई रणनीतिक ठिकानों पर ड्रोन हमले किए हैं। यूक्रेनी सेना का कहना है कि इन अभियानों का उद्देश्य रूस की सैन्य आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित करना है। बताया जा रहा है कि हाल के हमलों में कुछ ऊर्जा प्रतिष्ठान और तेल भंडारण सुविधाएं प्रभावित हुई हैं। हालांकि रूस ने इन दावों पर विस्तृत टिप्पणी नहीं की है।युद्ध अब चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और संघर्ष समाप्त होने के कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक सहायता जारी रखने का भरोसा दिया है। कई यूरोपीय देशों ने रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने की भी वकालत की है। वहीं, रूस का कहना है कि वह अपने रणनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने तक सैन्य अभियान जारी रखेगा।विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले सप्ताह युद्ध की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। यदि रूस बड़े पैमाने पर हमला करता है, तो संघर्ष और व्यापक रूप ले सकता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

संपादक की कलम से

देश का युवा आज केवल रोजगार की चुनौती से नहीं जूझ रहा, बल्कि उसे उस परीक्षा व्यवस्था पर भी भरोसा बनाए रखने की लड़ाई लड़नी पड़ रही है, जो उसके भविष्य का निर्धारण करती है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक, अनियमितताओं, परिणामों में देरी और पारदर्शिता को लेकर उठे सवालों ने लाखों विद्यार्थियों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। यह केवल प्रशासनिक समस्या नहीं है, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक संरचना से जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है।किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और विश्वास पर निर्भर करती है। जब एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करके किसी परीक्षा की तैयारी करता है और फिर परीक्षा की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं, तो उसके मन में व्यवस्था के प्रति निराशा पैदा होना स्वाभाविक है। यह निराशा केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि धीरे-धीरे पूरे समाज में असंतोष का कारण बन सकती है।सरकारों ने समय-समय पर परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। डिजिटल तकनीक का उपयोग बढ़ा है, निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया गया है और दोषियों के खिलाफ कड़े कानून भी बनाए गए हैं। इसके बावजूद यदि बार-बार विवाद सामने आते हैं, तो यह संकेत है कि सुधारों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके कठोर और त्वरित क्रियान्वयन की भी जरूरत है।इस समस्या का समाधान राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में नहीं, बल्कि संस्थागत सुधारों में छिपा है। परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, तकनीकी सुरक्षा को मजबूत बनाना होगा और किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करनी होगी। साथ ही विद्यार्थियों को समय पर और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना भी आवश्यक है।भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यदि युवाओं का विश्वास कमजोर पड़ता है तो इसका असर केवल रोजगार पर नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर भी पड़ेगा। इसलिए परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को बनाए रखना केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। आज समय की मांग है कि सरकार, संस्थाएं और समाज मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिसमें हर विद्यार्थी को यह विश्वास हो कि उसकी मेहनत का मूल्यांकन पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ होगा। यही विश्वास देश की सबसे बड़ी पूंजी है।

खड़गे का मोदी सरकार पर तीखा हमला महंगाई-बेरोजगारी समेत कई मुद्दों पर घेरा

अपने भाषण में खड़गे ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि छोटे व्यापारियों, किसानों और मजदूर वर्ग को अपेक्षित सहायता नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और विपक्ष की भूमिका को मजबूती से निभाएगी।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 21 जून को केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कई राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि देश आज महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, लेकिन केंद्र सरकार इन समस्याओं के समाधान के बजाय प्रचार पर अधिक ध्यान दे रही है। खड़गे के इस बयान के बाद देश की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है।अपने संबोधन में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश के युवाओं में भविष्य को लेकर चिंता बढ़ रही है। उन्होंने हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आए कथित अनियमितताओं के मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार युवाओं के हितों की रक्षा करने में विफल रही है। खड़गे ने आरोप लगाया कि लगातार सामने आ रहे परीक्षा विवादों ने लाखों छात्रों और अभ्यर्थियों के भविष्य को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने और शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।खड़गे ने महंगाई के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि आम आदमी लगातार बढ़ती कीमतों से परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्य पदार्थों, रसोई गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार को आम जनता को राहत देने के लिए प्रभावी नीतियां अपनानी चाहिए।अपने भाषण में खड़गे ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि छोटे व्यापारियों, किसानों और मजदूर वर्ग को अपेक्षित सहायता नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और विपक्ष की भूमिका को मजबूती से निभाएगी।इस दौरान खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबंधों को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि दोनों नेताओं की नीतियों का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। खड़गे के बयान को लेकर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए भ्रामक बयानबाजी कर रहा है।भाजपा का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत हुआ है और देश की अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि केंद्र सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। खड़गे के ताजा बयान के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है, जिसके आने वाले दिनों में और तेज होने की संभावना है।

पंजाब कांग्रेस में बड़े बदलाव के संकेत, नेतृत्व परिवर्तन पर मंथन तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक फेरबदल को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। 21 जून को नई दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पंजाब इकाई की स्थिति और आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर अहम बैठक की। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में पंजाब मामलों के पर्यवेक्षकों द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की गईसूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी में बड़े बदलाव की संभावना पर विचार कर रहा है। वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस राज्य संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने की रणनीति तैयार कर रही है। पार्टी का मानना है कि राज्य में आम आदमी पार्टी और भाजपा की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए संगठनात्मक मजबूती बेहद आवश्यक है।बताया जा रहा है कि मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नेतृत्व को लेकर भी समीक्षा की गई है। हालांकि पार्टी की ओर से अभी तक किसी बदलाव की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों ने राजनीतिक हलकों में चर्चा को तेज कर दिया है। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता चाहते हैं कि चुनावों से काफी पहले संगठन को नई दिशा दी जाए, जबकि एक वर्ग का मानना है कि मौजूदा नेतृत्व को ही आगे बढ़ने का अवसर दिया जाना चाहिए।संभावित नए प्रदेश अध्यक्षों के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा, सुखजिंदर सिंह रंधावा, राणा के.पी. सिंह तथा विजय इंदर सिंगला के नाम चर्चा में हैं। कांग्रेस नेतृत्व सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए फैसला लेना चाहता है ताकि पार्टी के विभिन्न गुटों को साथ रखा जा सकेराजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब में कांग्रेस को दोबारा मजबूत बनाने के लिए संगठनात्मक बदलाव महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। पार्टी आगामी दिनों में और बैठकों के बाद अंतिम निर्णय ले सकती है। ऐसे में पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर जारी मंथन आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति का प्रमुख मुद्दा बन सकता है।

2027 चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा पंजाब में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने की कवायद

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां अभी से तेज कर दी हैं। पार्टी नेतृत्व राज्य में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। इसी क्रम में 21 जून को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने पंजाब दौरे के दौरान अमृतसर में पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह पंजाब का पहला प्रमुख दौरा माना जा रहा है।बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, सांसदों, विधायकों और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनावों को देखते हुए संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना और जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच बढ़ाना था। भाजपा नेतृत्व ने प्रत्येक बूथ पर सक्रिय कार्यकर्ता तैयार करने तथा नए सामाजिक समूहों को पार्टी से जोड़ने पर जोर दिया।भाजपा ने पंजाब में अपने संगठन का विस्तार करने के लिए विशेष अभियान चलाने का फैसला किया है। पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों,

युवाओं, किसानों और शहरी मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा सदस्यता अभियान को भी तेज करने की योजना बनाई गई है। भाजपा का मानना है कि राज्य में पारंपरिक राजनीति से अलग विकास और सुशासन के मुद्दों को प्रमुखता देकर जनसमर्थन बढ़ाया जा सकता है।अपने दौरे के दौरान नितिन नबीन ने अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका और जलियांवाला बाग जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पंजाब के विकास, निवेश और रोजगार सृजन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का आह्वान किया।

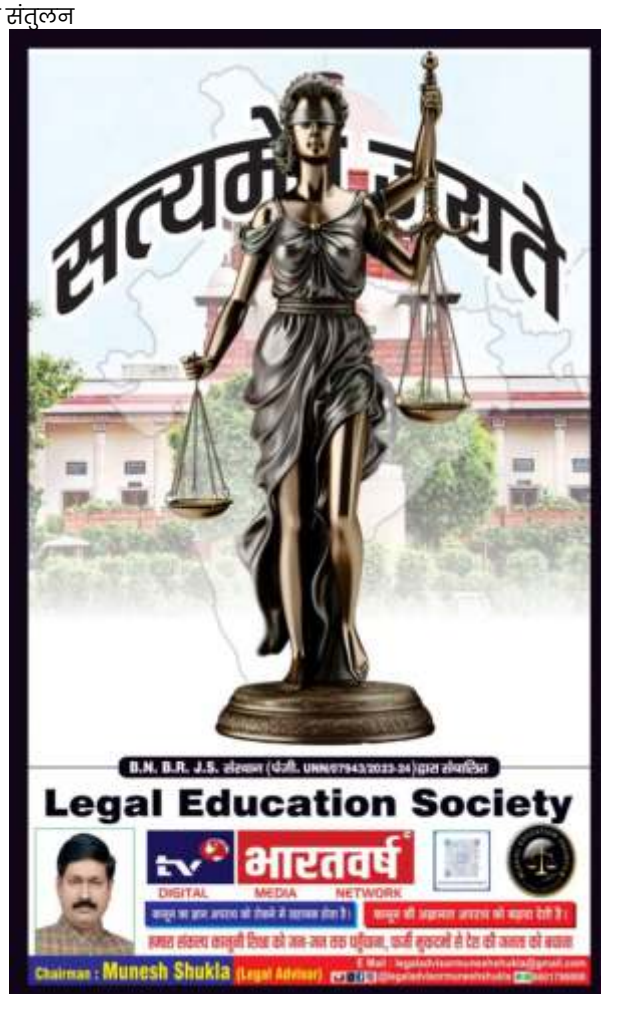

नीट-यूजी री-एग्जाम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

कड़ी सुरक्षा के बीच लाखों छात्रों ने दी परीक्षा

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को देशभर के हजारों परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हो गई। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित इस परीक्षा में लाखों अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। पेपर लीक विवाद के बाद आयोजित इस पुनर्परीक्षा पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई थीं। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे।एनटीए के अनुसार, परीक्षा देश और विदेश के 5,400 से अधिक केंद्रों पर ऑफलाइन मोड में आयोजित की गई। परीक्षा शुरू होने से पहले सभी केंद्रों पर बहुस्तरीय सुरक्षा जांच की गई। अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक जांच, फेस वेरिफिकेशन, सीसीटीवी निगरानी और एआई आधारित सर्विलांस की व्यवस्था की गई थी ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके। परीक्षा केंद्रों के आसपास पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भी तैनाती की गई थी।परीक्षा देकर बाहर निकले अधिकांश छात्रों ने प्रश्नपत्र को मध्यम स्तर का बताया। विद्यार्थियों के अनुसार, जीव विज्ञान खंड अपेक्षाकृत सरल रहा, जबकि भौतिकी और रसायन विज्ञान के कुछ प्रश्न चुनौतीपूर्ण थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार कट-ऑफ पर परीक्षा के कठिनाई स्तर का प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि वास्तविक स्थिति आधिकारिक उत्तर कुंजी जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।पिछले महीने पेपर लीक के आरोपों के बाद सरकार और एनटीए की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे थे। इसके बाद केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में कई बदलाव किए और सुरक्षा प्रोटोकॉल को और सख्त बनाया। इस बार प्रश्नपत्रों की ढुलाई विशेष सुरक्षा व्यवस्था के तहत की गई तथा परीक्षा सामग्री को सुरक्षित तिजोरियों में रखा गया था।एनटीए ने बताया है कि जल्द ही अस्थायी उत्तर कुंजी जारी की जाएगी, जिसके साथ अभ्यर्थियों को अपनी ओएमआर शीट और रिकॉर्डेड प्रतिक्रियाएं देखने का अवसर मिलेगा। अभ्यर्थी उत्तर कुंजी पर आपत्ति भी दर्ज करा सकेंगे। इसके बाद अंतिम उत्तर कुंजी जारी कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। देशभर के लाखों छात्र अब परीक्षा परिणाम और कट-ऑफ का इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय समेत प्रमुख विश्वविद्यालयों की कट-ऑफ पर टिकी छात्रों की नजर

देशभर के लाखों छात्र इन दिनों कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) 2026 के परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 21 जून को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से परिणाम की संभावित तिथि और प्रमुख विश्वविद्यालयों की संभावित कट-ऑफ को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस वर्ष परीक्षा में बड़ी संख्या में छात्रों के शामिल होने के कारण देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार भी देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों, विशेष रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में दाखिले के लिए उच्च कट-ऑफ रहने की संभावना है। कई लोकप्रिय पाठ्यक्रमों जैसे बीए (ऑनर्स), बीकॉम (ऑनर्स), बीएससी और अन्य पेशेवर पाठ्यक्रमों में सीटों के मुकाबले आवेदकों की संख्या काफी अधिक है।इस वर्ष सीयूईटी-यूजी परीक्षा देशभर के विभिन्न केंद्रों पर कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित की गई थी। परीक्षा समाप्त होने के बाद एनटीए ने अनंतिम उत्तर कुंजी जारी की थी और छात्रों को आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया गया था। अब अभ्यर्थियों को अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम जारी होने का इंतजार है। परिणाम घोषित होने के बाद केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी-अपनी प्रवेश प्रक्रिया शुरू करेंगे। शिक्षाविदों का मानना है कि इस बार कई पाठ्यक्रमों में कट-ऑफ पिछले वर्ष के समान या उससे अधिक रह सकती है। विशेष रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय के लोकप्रिय कॉलेजों में प्रवेश के लिए छात्रों को उच्च स्कोर की आवश्यकता पड़ सकती है।

टी20 इंटरनेशनल में 200 मुकाबले खेलने वाली बनी पहली खिलाड़ी

इंग्लैंड दौरे के लिए वनडे टीम का ऐलान विराट कोहली की वापसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 21 जून को अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम चयन की सबसे बड़ी खबर स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी रही। फिटनेस मंजूरी मिलने की शर्त पर कोहली को टीम में शामिल किया गया है। चोट के कारण वह हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला से बाहर रहे थे।बीसीसीआई की चयन समिति ने कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण तैयार किया है। टीम में रोहित शर्मा, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। चयनकर्ताओं का मानना है कि इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी।हालांकि टीम चयन में कुछ चौंकाने वाले फैसले भी देखने को मिले। हालिया श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इस बार टीम में जगह नहीं मिली। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में शतक लगाने के बावजूद चयनकर्ताओं ने उन्हें बाहर रखने का फैसला किया है। इस निर्णय को लेकर क्रिकेट विशेषज्ञों और प्रशंसकों के बीच चर्चा तेज हो गई है।तेज गेंदबाज हर्षित राणा की टीम में वापसी भी चर्चा का विषय बनी हुई है। घुटने की चोट के कारण वह लंबे समय से क्रिकेट से दूर थे और आईपीएल तथा टी-20 विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट भी नहीं खेल पाए थे। अब फिटनेस हासिल करने के बाद उन्हें फिर से राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में उनकी तेज गेंदबाजी भारतीय टीम के लिए उपयोगी साबित होगी।

महिला टी20 विश्व कप 2026 वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 5 विकेट से हरा दिया

महिला टी20 विश्व कप 2026 का 17वां मुक़ाबला वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच खेला गया। ब्रिस्टल के काउंटी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए ग्रुप 2 के इस लोस्कोरिंग मुक़ाबले में वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 5 विकेट से हरा दिया। मैच में वेस्टइंडीज के सामने श्रीलंका की टीम कभी भी कड़ी प्रतिस्पर्धा करती नहीं दिखी। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की टीम 19.4 ओवर में 98 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की तरफ से नीलक्षिका सिल्वा ने सर्वाधिक 30 रनों की पारी खेली। इसके अलावा, कविशा दिल्हाड़ी ने 21 रन बनाए। इमेशा दुलानी और काव्या काविंदी ने 17-17 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। वेस्टइंडीज की तरफ से कप्तान हेली मैथ्यूज ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके। उनके अलावा करिश्मा रामहरक ने 2 विकेट, हेनरी, फ्लेचर, एलेने, और अश्मिनी मुनिसार ने 1-1 विकेट लिए। वेस्टइंडीज ने 99 रन के लक्ष्य को 16.1 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज के लिए स्टेफनी टेलर ने नाबाद 27 रन बनाए। इसके अलावा, कप्तान हेली मैथ्यूज ने 17, डिएंड्रा डॉटिन ने 12 और जैनिलेया ग्लासगो ने नाबाद 10 रन बनाए। बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली श्रीलंका का गेंदबाजी में भी बेहद साधारण प्रदर्शन रहा। गेंदबाज मैच को रोमांचक नहीं बना सकीं। कविशा दिल्हाड़ी ने 4 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट लिए, लेकिन उनका अकेला प्रयास टीम के लिए पर्याप्त नहीं रहा। वेस्टइंडीज की तीसरे मैच में यह तीसरी जीत है और वह ग्रुप में 6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। श्रीलंका की तीसरे मैच में यह दूसरी हार थी। श्रीलंका 2 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। जीत के साथ वेस्टइंडीज की टॉप-4 में पहुंचने की संभावना बढ़ गई है, जबकि श्रीलंका के लिए मुश्किल खड़ी हो गई है। श्रीलंका के लिए टॉप-4 में पहुंचने की संभावना बेहद कम हो गई है।

प्रेमा रावत को इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने का मौका मिला

वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया अपना तीसरा मैच साउथ अफ्रीका से खेल रही है। इस मैच के लिए टीम इंडिया ने अपनी प्लेइंग XI में दो बदलाव किए हैं। अरुंधति रेड्डी की इस मुकाबले में वापसी हुई है। वहीं प्रेमा रावत को इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने का मौका मिला है। प्रेमा रावत के लिए उनका ये डेब्यू और भी ज्यादा स्पेशल बन गया है क्योंकि वह 8वीं भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में अपना T20I डेब्यू किया है।अगर हम उन भारतीय महिला क्रिकेटर्स की बात करें जिन्होंने सीधे टी20 वर्ल्ड कप मैच से अपने टी20 इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की है, तो यह लिस्ट काफी दिलचस्प है। इसकी शुरुआत साल 2009 के वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ मैच से हुई थी, जहां हरमनप्रीत कौर, लतिका कुमारी और प्रियंका रॉय ने एक साथ अपना पहला मैच खेला था। इसी वर्ल्ड कप में पूनम राउत ने भी पाकिस्तान के खिलाफ अपना डेब्यू किया। इसके बाद साल 2012 के वर्ल्ड कप में अनुजा पाटिल ने इंग्लैंड के खिलाफ और रसनारा परवीन ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेला। फिर साल 2018 के वर्ल्ड कप में दयालन हेमलता ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज किया। अब इसी लिस्ट में एक नया नाम प्रेमा रावत का जुड़ गया है, जिन्होंने साल 2026 के टी20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर अपना पहला मैच खेलकर इस खास क्लब में जगह बनाई है। प्रेमा रावत को उनके लगातार शानदार प्रदर्शन की वजह से भारतीय सीनियर टीम में जगह मिली है। वह विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) के लिए खेलती हैं, जहां उन्होंने अपनी बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी से सभी का इम्प्रेस था। इसके बाद विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट और 'इंडिया-ए' टीम के लिए भी उनका खेल लाजवाब रहा।

सलाखों के पीछे घुटती प्राइवेसी

जेलों में महिला कैदियों का अदृश्य दर्द

म्यांमार की जेलों में ऐसी हजारों महिलाएं बंद हैं, जिनके बारे में उनके परिवार को पता भी नहीं है कि वह जिंदा है या मर गई. उन्हें हर रोज सलाखों के पीछे अपमान सहना पड़ता है. उनके निजी पलों के वीडियो बनाए जाते हैं और उन्हें मानसिक तौर से उसके जरिए तोड़ने की कोशिश की जाती है.

कल्पना कीजिए कि आप अपने देश में लोकतंत्र की मांग को लेकर प्रदर्शन करें और फिर अचानक गायब हो जाएं. आपके परिवार को महीनों तक यह भी पता न चले कि आप जिंदा हैं या नहीं.

जेल में आपको लगातार डर, अपमान और हिंसा का सामना करना पड़े. म्यांमार की हजारों महिला राजनीतिक कैदियों की कहानी कुछ ऐसी ही है. 2021 में सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा किए जाने के बाद म्यांमार में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन शुरू हुआ था. इसके बाद हजारों प्रदर्शनकारियों, छात्रों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया. मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की भी है.

ऐसी ही एक युवती थाजिन (बदला हुआ नाम) की कहानी सामने आई है. वह एक छात्रा और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता थीं. 2021 में एक प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर किया. उस अफरातफरी में लोगों को लगा कि थाजिन की मौत हो गई है, लेकिन वास्तव में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था. द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, थाजिन का आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ के दौरान मारपीट की गई, अपमानित किया गया और कई तरह की प्रताड़ना झेलनी पड़ी. इसके बाद वह लगभग तीन साल तक म्यांमार की अलग-अलग जेलों में बंद रहीं. ⊙

सत्ता बदली, लेकिन हालात नहीं?

म्यांमार में हाल के वर्षों में कुछ राजनीतिक बदलाव और कैदियों की रिहाई जरूर हुई है, लेकिन मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि जेलों के भीतर हालात में बहुत ज्यादा सुधार नहीं आया है.पूर्व कैदियों का कहना है कि आज भी हजारों लोग जेलों में बंद हैं और उनकी आवाज दुनिया तक नहीं पहुंच पाती. म्यांमार की इन महिलाओं की कहानी सिर्फ राजनीतिक कैदियों तक सीमित नहीं है. ⊙

20 लाख का पैकेज, फिर भी नहीं किया जॉइन, ये थी वजह?

नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए सैलरी सबसे महत्वपूर्ण बातों में से एक होती है. लेकिन कई बार कंपनियां नौकरी के विज्ञापन में वेतन का जिक्र नहीं करतीं. इससे उम्मीदवार और कंपनी दोनों का समय बर्बाद हो सकता है. हाल ही में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसने सोशल मीडिया पर सैलरी ट्रांसपेरेंसी को लेकर नई बहस छेड़ दी. यह मामला एक स्टार्टअप कंपनी के फाउंडर अभिषेक अग्रवाल से जुड़ा है. ⊙

अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर का वीडियो चर्चा में

पानी के अंदर कछुए ने मारा 'थप्पड़'

एक अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर के अंडरवॉटर वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों को खूब हंसाया है. इस वीडियो में एक कछुआ बार-बार उसके चेहरे पर फ्लिपर से 'थप्पड़' मारता नजर आता है, जिससे यह पल काफी मजेदार बन गया.

इस वीडियो को क्रिस्टोफर चांग ने शेयर किया है, जो समुद्र के भीतर डाइविंग और समुद्री जीवों के साथ अपने अनुभवों को रिकॉर्ड करते हैं. वीडियो में वह पानी के अंदर कैमरे के साथ तैरते दिखते हैं और कहते हैं कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस कछुए को क्या हो

गया है, यह बार-बार मुझे थप्पड़ मार रहा है. कुछ ही देर बाद वह दोबारा गोता लगाकर दिखाते हैं कि आखिर हो क्या रहा है. ⊙

अमेरिका की महिला ने पूरी की आखिरी ख्वाहिश

बहन की हड्डियों से बनवाई 'विंड चाइम'

आज के समय में लोग अपने प्रियजनों को विदा करने के तरीके भी बदल रहे हैं. पहले जहां ज्यादातर लोग अंतिम संस्कार के लिए पारंपरिक तरीके जैसे दफनाना या जलाना अपनाते थे, वहीं अब कुछ लोग इसे ज्यादा व्यक्तिगत और खास बनाने की कोशिश कर रहे हैं.

ऐसा ही एक अनोखा मामला अमेरिका के डेनवर से सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है. डेनवर में रहने वाली 43 साल की एरिन मेरेली ने अपनी बहन को याद रखने का एक बिल्कुल अलग तरीका अपनाया. उन्होंने अपनी बहन की हड्डियों से एक सुंदर 'विंड चाइम' बनवाई और उसे अपने घर की बालकनी में टांग

लोग अब पारंपरिक दफनाने और दाह संस्कार के साथ-साथ नए और व्यक्तिगत तरीकों को भी अपना रहे हैं. (Photo: AI Generated)

दिया. यह सुनकर भले ही थोड़ा अजीब लगे, लेकिन इसके पीछे एक खास वजह थी.दरअसल, एरिन की बहन को कला से बहुत लगाव था. मरने से पहले उन्होंने अपनी आखिरी इच्छा एरिन को बताई थी. उन्होंने कहा था कि उनकी मौत के बाद उनकी हड्डियों को एक नीली विंड चाइम में बदल दिया जाए. एरिन ने अपनी बहन की इसी इच्छा को पूरा करने का फैसला किया और उसे सच कर दिखाया. इस प्रक्रिया के लिए एरिन ने एक खास तरीका अपनाया, जिसे 'अल्कलाइन हाइड्रोलिसिस' कहा जाता है.

इसे आसान भाषा में समझें तो यह एक तरह का जल-आधारित अंतिम संस्कार है.

इसमें शरीर को पानी और कुछ केमिकल्स की मदद से धीरे-धीरे तोड़ा जाता है. इससे शरीर का हिस्सा एक तरल रूप में बदल जाता है, जिसे पौधों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. ⊙

सनी देओल के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करेंगे करण देओल

'बंटवारा 1947' को लेकर भावुक हुए अभिनेता

हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता सनी देओल और उनके बेटे करण देओल पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों कलाकार आगामी फिल्म 'बंटवारा 1947' में स्क्रीन साझा करेंगे। 21 जून को फादर्स डे के अवसर पर करण देओल ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने पिता के प्रति प्यार और सम्मान व्यक्त किया। इस पोस्ट के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह और बढ़ गया है।करण देओल ने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि उनके लिए अपने "पहले हीरो" के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा कि बचपन से ही वह सनी देओल को न केवल एक पिता, बल्कि एक प्रेरणा और आदर्श कलाकार के रूप में देखते आए हैं। करण ने लिखा कि अपने पिता के साथ एक ही फ्रेम में काम करना उनके करियर का सबसे यादगार अनुभव बनने जा रहा है।फिल्म 'बंटवारा 1947' भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक पीरियड ड्रामा बताई जा रही है। हालांकि फिल्म की कहानी को लेकर अभी अधिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि यह फिल्म देश के विभाजन के दौरान लोगों के संघर्ष, विस्थापन और भावनात्मक घटनाओं को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करेगी। फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शकों के बीच इसे लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।सनी देओल इन दिनों अपने करियर के एक सफल दौर से गुजर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में उनकी फिल्मों को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला है और वह लगातार कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। दूसरी ओर, करण देओल भी हिंदी फिल्म उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में पिता-पुत्र की यह जोड़ी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन गई है।फिल्म समीक्षकों का मानना है कि सनी देओल और करण देओल का पहली बार एक साथ आना बॉक्स ऑफिस के लिहाज से भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। देओल परिवार की लोकप्रियता को देखते हुए फिल्म से काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। सोशल मीडिया पर भी प्रशंसकों ने करण की पोस्ट पर बड़ी संख्या में प्रतिक्रियाएं दीं और दोनों कलाकारों को एक साथ पर्दे पर देखने की उत्सुकता जाहिर की।मनोरंजन जगत के जानकारों का कहना है कि यदि फिल्म की कहानी और प्रस्तुति प्रभावशाली रही, तो 'बंटवारा 1947' वर्ष 2026 की चर्चित फिल्मों में शामिल हो सकती है। फिलहाल दर्शक फिल्म के ट्रेलर और आधिकारिक रिलीज की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

मोहर्रम के पवित्र महीने के आगमन के साथ ही सर्राफा बाजारों में रौनक बढ़ने लगी

मोहर्रम के मद्देनजर चांदी के धार्मिक प्रतीकों की बढ़ती मांग ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि धार्मिक परंपराएं स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देती हैं। श्रद्धा, परंपरा और कारोबार के इस अनूठे संगम ने राजधानी लखनऊ के सर्राफा बाजार में विशेष उत्साह का माहौल बना दिया है।

मोहर्रम के पवित्र महीने के आगमन के साथ ही राजधानी लखनऊ के सर्राफा बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। विशेष रूप से चांदी से बने धार्मिक प्रतीकों, जैसे आलम, झूला ताजिया, हथकड़ी और अन्य धार्मिक सामग्री की मांग में तेजी देखी जा रही है। पुराने लखनऊ के बाजारों में इन दिनों खरीदारों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है। श्रद्धालु अपनी आस्था और परंपरा के अनुरूप मोहर्रम की तैयारियों में जुट गए हैं और इसी के चलते चांदी के कारोबार में भी उत्साह का माहौल है। मोहर्रम के अवसर पर चांदी के आलम, झूला ताजिया और विशेष हथकड़ी की खरीदारी को शुभ माना जाता है। हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में लोग इन धार्मिक प्रतीकों को खरीदने के लिए सर्राफा बाजार पहुंच रहे हैं। कारीगर भी कई दिनों से इन विशेष वस्तुओं को तैयार करने में लगे हुए हैं ताकि श्रद्धालुओं को उनकी पसंद और परंपरा के अनुसार सामान उपलब्ध कराया जा सके। लखनऊ की पहचान गंगा-जमुनी तहजीब से रही है और मोहर्रम के अवसर पर यहां का बाजार धार्मिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करता है। शहर के कई परिवार पीढ़ियों से चांदी के धार्मिक प्रतीकों का निर्माण कर रहे हैं और उनकी कलाकारी देशभर में प्रसिद्ध है। राजधानी के प्रतिष्ठित सर्राफा कारोबारी और विनोद ज्वैलर्स के संचालक विनोद माहेश्वरी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद स्थानीय बाजार में खरीदारी का उत्साह बना हुआ है। उन्होंने बताया कि मोहर्रम को देखते हुए चांदी की धार्मिक वस्तुओं की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने सर्राफा एसोसिएशन द्वारा जारी ताजा खुदरा दरों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में सोने और चांदी के दाम इस प्रकार हैं—

24 कैरेट सोना : 1,50,100 रुपये प्रति 10 ग्राम
- 22 कैरेट सोना : 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम
- 18 कैरेट सोना : 1,14,800 रुपये प्रति 10 ग्राम
- चांदी (999 शुद्धता) : 2,42,000 रुपये प्रति किलोग्राम

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इन दरों में जीएसटी, मेकिंग चार्ज और हॉलमार्क शुल्क शामिल नहीं हैं। अंतिम कीमत खरीदारी के समय इन अतिरिक्त शुल्कों के अनुसार निर्धारित होगी। विनोद माहेश्वरी के अनुसार, मोहर्रम के दौरान विशेष धार्मिक वस्तुओं की मांग बढ़ने से सर्राफा कारोबार में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। कई लोग चांदी के छोटे-बड़े आलम, ताजिया और अन्य धार्मिक सामग्री की बुकिंग पहले से ही करा रहे हैं। दुकानों पर ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कारोबारी आने वाले दिनों में बिक्री और बढ़ने की उम्मीद जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोहर्रम केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक भी है। इस अवसर पर लोग अपनी श्रद्धा के अनुसार धार्मिक प्रतीकों की खरीदारी करते हैं, जिससे स्थानीय कारोबारियों और कारीगरों को भी रोजगार मिलता है।मोहर्रम के अवसर पर चांदी के धार्मिक प्रतीकों का निर्माण करने वाले कारीगरों के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। कई कारीगर महीनों पहले से तैयारी शुरू कर देते हैं। हाथों से तैयार किए जाने वाले आलम, झूला ताजिया और अन्य धार्मिक सामग्री में विशेष नक्काशी और डिजाइन का उपयोग किया जाता है, जिससे इनकी सुंदरता और धार्मिक महत्व दोनों बढ़ जाते हैं। व्यापारी का मानना है कि लखनऊ का सर्राफा बाजार केवल व्यापार का केंद्र नहीं, बल्कि यहां की सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शिल्प का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। मोहर्रम के दौरान इस विरासत की झलक बाजारों में स्पष्ट दिखाई देती है।

रेजिडेंसी में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने लोगों के साथ प्राणायाम किया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में आज योग दिवस मनाया गया। जनभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने योगासन किए। रेजिडेंसी में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने लोगों के साथ प्राणायाम किया। जनेश्वर मिश्र पार्क में मंत्री और अधिकारियों का जमावड़ा रहा। यहां योगासन कंप्लीट होने के बाद लोग चटाइयां लेकर घर जाने लगे। गार्डों ने सबको पकड़-पकड़कर मैट रखवा लीं। अंबेडकर पार्क और लोहिया पार्क में हजारों लोगों ने एकसाथ योग किया। गोमतीनगर स्थित RSS की लक्ष्मण शाखा परिसर में सीनियर सिटीजंस ने व्यायाम किया। इसके बाद कई लोगों ने जानकीपुरम विस्तार में जानकीपुरम विस्तार संयुक्त महासमिति के शिविर में हास्य योग के दौरान ठहाके लगाए। इस वर्ष 'Yoga For Health Ageing' थीम पर आधारित रहा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (SIHFW), उत्तर प्रदेश में स्वस्थ वृद्धावस्था हेतु योग विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 150 प्रतिभागियों ने सामूहिक योग और प्राणायाम किया। मुख्यमंत्री के संबोधन के लाइव प्रसारण के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों ने योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित योग से शरीर में लचीलापन बढ़ता है, तनाव कम होता है और व्यक्ति उम्र बढ़ने के साथ भी स्वस्थ व आत्मनिर्भर रह सकता है।

गंदगी और बदहाल सीवर व्यवस्था से त्रस्त कन्हैया माधवपुर,

घर बेचने को मजबूर लोग

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ के वार्ड संख्या-52 कन्हैया माधवपुर प्रथम वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का गंभीर संकट गहराता जा रहा है। क्षेत्र में फैली गंदगी, बदहाल सीवर व्यवस्था और कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था न होने से स्थानीय निवासियों का जीवन दूभर हो गया है। हालात इतने खराब हैं कि कई परिवार यहां से पलायन करने अथवा अपने घर बेचने तक को मजबूर हो गए हैं। क्षेत्र की सड़कों और गलियों में जगह-जगह गंदगी फैली हुई है। घरों के बाहर कूड़े के ढेर लगे होने से आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है। वार्ड में स्थायी कूड़ाघर न होने के कारण लोग सड़क किनारे और खाली पड़े प्लॉटों में कचरा फेंकने को विवश हैं। इससे न केवल क्षेत्र की सुंदरता प्रभावित हो रही है, बल्कि संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम की ओर से क्षेत्र के एक तालाब को पाटकर वहां खुले में कचरा डाला जा रहा है। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ ही दुर्गंध और प्रदूषण की समस्या भी बढ़ गई है। कूड़े के ढेरों में लगातार मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों की आशंका बनी हुई है। वहीं, क्षेत्र की सीवर व्यवस्था भी पूरी तरह चरमराई हुई है। कई स्थानों पर नाले उफान पर हैं और सीवर ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बह रहे हैं। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे वर्षों से

इन समस्याओं से जूझ रहे हैं और कई बार संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन से शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करते हुए सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने, कूड़ाघर की व्यवस्था करने और सीवर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

KGMU ट्रॉमा सेंटर के बाहर दबंगों का तांडव,

बेल्ट-डंडों से युवकों की पिटाई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के चौक थाना क्षेत्र स्थित KGMU ट्रॉमा सेंटर के बाहर दबंगई का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो शनिवार देर रात का बताया जा रहा है, जिसमें कुछ युवक सरेराह बेल्ट और डंडों से अन्य युवकों की पिटाई करते नजर आ रहे हैं। घटना के दौरान वहां मौजूद राहगीरों ने मारपीट का वीडियो अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया। वीडियो में दबंग युवकों की खुलेआम गुंडई दिखाई दे रही है। हैरानी की बात यह रही कि ट्रॉमा सेंटर के बाहर पुलिस की मौजूदगी नहीं दिखी। वहीं, आधे घंटे तक चली मारपीट के दौरान कोई पुलिसकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद चौक पुलिस की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि संवेदनशील क्षेत्र और ट्रॉमा सेंटर जैसे व्यस्त स्थान के बाहर इस तरह की घटना होना पुलिस गश्त और सतर्कता पर सवालिया निशान लगाता है। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

लखनऊ में युवक का शव रेलवे पटरी पर मिला

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमती नगर थानाक्षेत्र में एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। शनिवार रात घर से काम की बात कह कर निकाला था। इसके बाद हादसे का शिकार हो गया। युवक की मां ने हत्या की आशंका जताते हुए गोमती नगर थाने में तहरीर दी है। बड़ी जुगौली गोमती नगर निवासी बनसल बाबू पुत्र रमेश कुमार लकड़ी पॉलिश का काम करता था। मां मुन्नी देवी ने बताया शनिवार रात करीब 10 घर से निकला था। इसके बाद कुछ अज्ञात लोगों ने उसकी हत्या कर ट्रैक पर फेंक दिया। मां ने वीरेंद्र यादव, गोपी यादव और विनय यादव पर हत्या करने की आशंका जताई है। उनका कहना है यह तीनों बेटे को लगातार धमकी दे रहे थे। कई बार घर आते समय रास्ते में रोककर जान से मारने की बात कही थी। हत्या की आशंका जताते हुए गोमतीनगर थाने में तीनों युवकों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है। मामले में इंस्पेक्टर गोमती नगर बृजेश चंद्र तिवारी का कहना है मृतक की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जांच में चेक किए गए सीसीटीवी में युवक अकेले जाते हुए दिखाई दे रहा है। रेलवे प्रशासन से पूछताछ में भी ट्रेन के आगे कूदने की बात सामने आई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

योग दिवस पर लखनऊ में उमड़ा उत्साह,

पार्कों से लेकर जनभवन तक गूंजा योग का संदेश

लखनऊ में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को शहरभर में उत्साह और उमंग के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनभवन, जनेश्वर मिश्र पार्क, अंबेडकर पार्क, लोहिया पार्क समेत शहर के प्रमुख स्थलों पर हजारों लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इस वर्ष योग दिवस की थीम 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) रही। राजभवन परिसर स्थित जनभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने योगासन कर लोगों को नियमित योग अपनाने का संदेश दिया। वहीं, रेजिडेंसी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आमजन के साथ प्राणायाम और विभिन्न योगासन किए। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।जनेश्वर मिश्र पार्क में भी योग दिवस के अवसर पर भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मंत्री, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम

समाप्त होने के बाद कुछ लोग योग के लिए इस्तेमाल की गई चटाइयां अपने साथ ले जाने लगे। इस दौरान पार्क में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने लोगों को रोकते हुए चटाइयों को वापस जमा कराया। इसके अलावा अंबेडकर पार्क और लोहिया पार्क में हजारों लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। गोमतीनगर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की लक्ष्मण शाखा परिसर में वरिष्ठ नागरिकों ने योग और व्यायाम कर फिट रहने का संदेश दिया। वहीं, जानकीपुरम विस्तार संयुक्त महासमिति की ओर से आयोजित शिविर में हास्य योग का विशेष आयोजन किया गया, जहां प्रतिभागियों ने ठहाकों के बीच योगाभ्यास कर तनावमुक्त जीवन का संदेश दिया। शहरभर में आयोजित योग कार्यक्रमों में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। योग दिवस के आयोजनों ने एक बार फिर यह साबित किया कि योग अब लोगों की दिनचर्या का अहम हिस्सा बनता जा रहा है।

उन्नाव में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहर की पुलिस लाइन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सामूहिक योगाभ्यास किया। पुलिस लाइन परिसर में सुबह छह बजे से ही लोगों का जुटना शुरू हो गया था। कार्यक्रम में राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मनियंत्रण और स्वस्थ जीवनशैली की कुंजी है। उन्होंने लोगों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि योग जीवन को संतुलित, स्वस्थ और स्थिर बनाता है। वहीं पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने पुलिस कर्मियों के साथ सामूहिक योगाभ्यास करते हुए तनावमुक्त जीवन के लिए नियमित योग अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कर लोगों को प्रेरित किया। अधिकारियों ने कहा कि योग भारत की प्राचीन धरोहर है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से वैश्विक पहचान मिली है और आज पूरी दुनिया इसे अपना रही है। योग दिवस को लेकर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। ब्लॉक स्तर पर पंचायत भवनों, विद्यालयों और सामुदायिक केंद्रों में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्राम प्रधानों तथा ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सहभागिता भी उल्लेखनीय रही। बांगरमऊ, सफीपुर, हसनगंज, अजगैन और बिहार ब्लॉक में सैकड़ों छोटे-बड़े योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। कई स्थानों पर स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से खुले मैदानों, मंदिरों और आश्रमों में सामूहिक योग सत्र आयोजित किए गए। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम “एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य” रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता और संतुलित जीवनशैली के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रमों में लोगों को बताया गया कि योग के माध्यम से व्यक्तिगत और वैश्विक स्वास्थ्य दोनों को बेहतर बनाया जा सकता है। जिले के स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों में भी विशेष योग सत्र आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास किया। कई शिक्षण संस्थानों में योग के लाभों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई, जहां छात्रों ने पोस्टर और मॉडल के माध्यम से योग की उपयोगिता को प्रस्तुत किया।

शिव नगर क्षेत्र में समाजसेवी सचिन वर्मा द्वारा एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर के शिव नगर क्षेत्र में समाजसेवी सचिन वर्मा द्वारा एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय सर्व धर्म संसद के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र वर्मा बाबा जी ने पूजा-अर्चना कर किया। इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण प्रारंभ हुआ। भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और धार्मिक आयोजन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की थीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरेंद्र वर्मा बाबा जी ने धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में मानस वर्मा, विशाल वर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति और क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन के सफल संचालन पर श्रद्धालुओं और अतिथियों ने सचिन वर्मा तथा उनकी टीम की सराहना की।

पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने पुलिस विभाग में व्यापक फेरबदल किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने पुलिस विभाग में व्यापक फेरबदल किया है। इस क्रम में कई पुलिस उपाधीक्षकों (सीओ) और उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार, नवागत पुलिस उपाधीक्षक हर्ष मोदी को क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ नियुक्त किया गया है। इससे पूर्व वह बरेली जनपद में तैनात थे। उनके अधीन बांगरमऊ, औरास, आसीवन तथा बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र रहेंगे। वहीं, दीपक यादव को क्षेत्राधिकारी सफीपुर बनाया गया है। उनके कार्यक्षेत्र में सफीपुर, माखी और फतेहपुर चौरासी थाने शामिल किए गए हैं। इसी प्रकार विनी सिंह को क्षेत्राधिकारी नगर/लाइन/साइबर क्राइम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके अधीन कोतवाली नगर, गंगाघाट, दही थाना, महिला थाना और साइबर क्राइम थाना रहेंगे। साथ ही पुलिस लाइन, परिवार परामर्श केंद्र, विशेष जांच प्रकोष्ठ एवं वीआईपी सेल का दायित्व भी उन्हें सौंपा गया है। पुलिस विभाग में हुए फेरबदल के तहत कई उपनिरीक्षकों का भी स्थानांतरण किया गया है। प्रकाश पाण्डेय को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी पाठन, थाना बिहार नियुक्त किया गया।

जितेंद्र कुमार को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी कोल्हुआगढ़ा, थाना अचलगंज बनाया गया। जय प्रकाश भारती को चौकी प्रभारी कोल्हुआगढ़ा से चौकी प्रभारी बेथर, थाना अचलगंज स्थानांतरित किया गया। आदित्य कुमार मौर्य को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी सिविल लाइन, थाना कोतवाली की जिम्मेदारी दी गई। पंकज राज शारदा को चौकी प्रभारी सिविल लाइन, थाना कोतवाली से पुलिस लाइन भेजा गया। धीरेंद्र कुमार यादव को पुलिस लाइन से थाना अचलगंज में तैनाती दी गई। लल्लू सिंह भदौरिया को पुलिस लाइन से थाना मौरावां भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी नई तैनाती पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कर कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्नाव जनपद के होनहार युवा अंशुमान कुमार ने बिहार लोक सेवा आयोगकी परीक्षा में भी परचम लहराया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के होनहार युवा ने एक बार फिर अपनी अद्भुत प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) में शानदार सफलता प्राप्त करने के बाद,भगवंत नगर निवासी अंशुमान कुमार ने अब बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की परीक्षा में भी परचम लहराया है। शनिवार को जारी हुए बिहार पीसीएस परीक्षा के अंतिम परिणामों में अंशुमान ने पूरे प्रदेश में शानदार 109वीं रैंक हासिल की है, जिसके तहत उनका चयन ग्रामीण विकास अधिकारी (RDO) के पद पर हुआ है। इस लगातार मिल रही बड़ी उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में, बल्कि पूरे क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल है। अंशुमान कुमार की यह सफलता उनके अथक परिश्रम और प्रशासनिक सेवा के प्रति अटूट समर्पण को दर्शाती है। इससे पूर्व उनका चयन उत्तर प्रदेश सचिवालय में समीक्षा अधिकारी (RO) के पद पर हुआ था। इसके पश्चात उन्होंने मंडी समिति उत्तर प्रदेश में सचिव पद की जिम्मेदारी संभाली। उनकी मेधा यहीं नहीं रुकी; उन्होंने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा में 115वीं रैंक हासिल कर कमर्शियल टैक्स ऑफिसर (CTO) का राजपत्रित पद प्राप्त किया। अब बिहार पीसीएस में 109वीं रैंक के साथ ग्रामीण विकास अधिकारी के पद पर अंतिम चयन सूची में नाम आना उनके करियर में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ गया है। परिजनों का कहना है कि भगवान बाला जी की कृपा, पूर्वजों के आशीर्वाद और बड़े-बुजुर्गों की दुआओं से ही यह सब संभव हो सका है। अंशुमान की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे उनके पारिवारिक संस्कारों और पिता के कुशल मार्गदर्शन की अहम भूमिका रही है। उनके पिता श्री राम सिंह जी वर्तमान में जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) के पद पर कार्यरत हैं और स्वयं 1996 बैच के प्रतिष्ठित पीईएस (प्रांतीय शिक्षा सेवा) अधिकारी हैं। अंशुमान ने अपनी इस सफलता का श्रेय पिता के अनुशासन, परिवार के सहयोग और अपनी कठिन तपस्या को दिया है। अंशुमान के बिहार पीसीएस में चयन की खबर मिलते ही भगवंत नगर स्थित उनके पैतृक आवास और जनपद में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। क्षेत्रीय प्रबुद्धजनों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अंशुमान ने अपने पूर्वजों, समाज और जनपद उन्नाव का नाम देश के पटल पर अंकित किया है। उनकी यह सफलता क्षेत्र के अन्य प्रतियोगी छात्रों के लिए प्रेरणा का बड़ा केंद्र बनेगी। क्षेत्रीय लोगों में मंडल अध्यक्ष आशीष बाबा,चेयरमैन आशीष शुक्ला, दीपक नारायण,रवींद्र गौतम (LIC), रुद्र चौहान, राम राज यादव, सहित अन्य लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

बीघापुर कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई

आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बीघापुर कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। उपजिलाधिकारी (एसडीएम) की अध्यक्षता में रविवार को हुई इस बैठक में क्षेत्राधिकारी (सीओ) भी मौजूद रहे। इसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, ताजियादारों और धर्मगुरुओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान अधिकारियों ने मोहर्रम के जुलूस और ताजिया मार्ग से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली। एसडीएम और सीओ ने उपस्थित लोगों से कहा कि ताजिया निकलने वाले मार्ग पर यदि कोई समस्या या अवरोध हो, तो उसकी सूचना समय रहते प्रशासन को दें। इससे समस्याओं का समाधान पहले ही किया जा सकेगा और कार्यक्रम सकुशल संपन्न होगा। अधिकारियों ने सभी से आपसी भाईचारा, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और कोई संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। बैठक के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

SIT की प्रारंभिक रिपोर्ट सीएम योगी को सौंपी 25 लोगों पर कार्रवाई की आहट

जान लें कि जब से चढ़ावा चोरी का खुलासा हुआ है तब से राम मंदिर में चढ़ावा चढ़ाने से पहले राम भक्त सोचने लगे हैं कि उनकी भक्ति का इस्तेमाल कौन कर रहा है। ये सब जानना चाहते हैं। पहले सामान्य दिनों में दान पेटियों से 8 से 12 लाख रुपये तक निकलते थे। लेकिन पिछले 5 दिनों में 85 हजार से 95 हजार रुपए का चढ़ावा ही दानपेटियों से निकला।

अयोध्या के राम मंदिर की दान राशि और चढ़ावे में कथित गड़बड़ियों की जांच कर रही SIT ने आज (रविवार को) लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट उन्हें सौंप दी है। 6 दिनों तक चली गहन जांच के दौरान टीम ने 60 घंटे से ज्यादा समय तक पड़ताल की और 150 से अधिक संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। अब सबकी निगाहें इस बात पर है कि करोड़ों रुपये के चढ़ावे से जुड़े इस केस में SIT को क्या सबूत मिले हैं और आगे क्या एक्शन हो सकता है। SIT ने मुख्य रूप से बताया कि दान पात्रों में जो रुपया, सोने-चांदी के जेवर चढ़ाए जाते हैं, उनको दान पात्र से निकालने, उन्हें काउंटिंग सेंटर में ले जाने और वहां गिनती करने के सिस्टम में गड़बड़ियां हैं। मौजूदा सिस्टम सही नहीं है। उसे ठीक करने की जरूरत है। सूत्रों के मुताबिक, SIT ने बताया कि चढ़ावे के पैसे को बैंक ले जाने के तरीके में गड़बड़ी है। डबल लॉक में जो पैसे जाने चाहिए, बॉक्स की दो-दो चाबियां अलग-अलग लोगों के पास होनी चाहिए, वो नहीं हो रहा है।SIT ने ट्रस्ट के किसी बड़े पदाधिकारी का जिक्र नहीं किया लेकिन गिनती में लगे ट्रस्ट के कर्मचारियों, SBI के लोग, जो निजी कंपनी के लोग कैश काउंटिंग में लगे थे उनकी गड़बड़ियों का जिक्र किया। SIT की मुलाकात ज्यादा देर तक सीएम योगी से नहीं हो पाई क्योंकि सीएम योगी को गवर्नर से मिलने जाना था। अभी प्रारंभिक रिपोर्ट आई है। SIT को पूरी रिपोर्ट 15 दिन में देनी है।

जान लें कि जब से चढ़ावा चोरी का खुलासा हुआ है तब से राम मंदिर में चढ़ावा चढ़ाने से पहले राम भक्त सोचने लगे हैं कि उनकी भक्ति का इस्तेमाल कौन कर रहा है। ये सब जानना चाहते हैं। पहले सामान्य दिनों में दान पेटियों से 8 से 12 लाख रुपये तक निकलते थे। लेकिन पिछले 5 दिनों में 85 हजार से 95 हजार रुपए का चढ़ावा ही दानपेटियों से निकला। ऐसा नहीं है कि राम मंदिर से राम भक्तों ने दूरी बनाई है। जैसे हर रोज हजारों-लाखों राम भक्त दर्शन करने आते थे, वैसे आज भी आ रहे हैं। भक्ति में कोई कमी नहीं आई है लेकिन राम मंदिर ट्रस्ट पर भरोसा बुरी तरह से डगमगा गया है। दान पात्रों के पैसों की गिनती अब पहले से ज्यादा चौकन्ना होकर की जा रही है। पहले की तरह अब भी चढ़ावे की गिनती ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा की देख-रेख में हो रही है। गौरतलब है कि राम मंदिर परिसर में कुल 35 दान पेटियां लगी हैं। सभी को रोजाना दो बार खोला जाता है। इस दौरान, ट्रस्ट और बैंक के 4 कर्मचारी उपस्थित रहते हैं। गिनती का काम दो शिफ्टों में होता है। पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे शुरू होती है और 2 बजे तक चलती है। दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 से रात 8 बजे तक चलती है। हर शिफ्ट में करीब 20 लोग काम करते हैं। बता दें कि राम मंदिर से करीब 200 मीटर दूर यात्री सुविधा केंद्र के तहखाने में चढ़ावे की गिनती होती है। गिनती कक्ष के ठीक बगल में अनिल मिश्रा का केबिन है। अनिल मिश्रा से भी SIT ने पूछताछ की है। SIT ने कथित चढ़ावा चोरी केस में 150 लोगों से पूछताछ की है। माना जा रहा है कि 25 लोग ऐसे हैं जिन पर कार्रवाई हो सकती है। फिलहाल, श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर जिले से बाहर जाने पर रोक लगा दी गई है। जिन कर्मियों का नाम कथित चढ़ावा चोरी पर आया है, उन पर भी अयोध्या से बाहर जाने पर रोक है।

दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बेचन राम की गाड़ी में पीछे से एक अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी

गोरखपुर के चौरी चौरा में उस समय बड़ा हादसा होने से बच गया जब दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बेचन राम की इनोवा गाड़ी में पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। अचानक हुई इस घटना से इनोवा के ड्राइवर ने फौरन हैंडब्रेक लगाया जिससे कि गाड़ी आगे नहीं बढ़ पाई। इनोवा और पीछे से टक्कर मारने वाली कार दोनों के एयरबैग खुल गए।कार में बैठे पति-पत्नी को हल्की चोट आई। पुलिस ने दोनों को चौरी चौरा सीएचसी में भर्ती कराया। इनकी पहचान बाल मुकुन त्रिपाठी और विमला त्रिपाठी के रूप में हुई, दोनों देवरिया की तरफ से आ रहे थे। प्राथमिक इलाज के बाद विमला को बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मेडिकल कॉलेज के पास स्थित जेमिनी पैराडाइज में बाल मुकुन त्रिपाठी और विमला त्रिपाठी रहते हैं। रविवार दोपहर करीब 2 बजे देवरिया की तरफ से सफेद रंग की कार नंबर 23बीएच-5201ए से पति-पत्नी गोरखपुर जा रहे थे। तभी चौरी चौरा कस्बे की एक चाय की दुकान पर दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बेचन राम सरकारी इनोवा कार से पहुंचे। ड्राइवर ने गाड़ी रोकी और राज्यमंत्री उतर का आगे बढ़े। इस दौरान पीछे से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मारी। राज्यमंत्री की गाड़ी में चालक ने बचने के लिए हैंडब्रेक लगाया। इसके बाद भी तक गाड़ी घसीटती रही। कार के अंदर बैठे दंपति की एयर बैग खुलने की वजह से जान बच गई। दोनों को काफी चोट आई है। सीएचसी के डॉक्टर ने बताया कि महिला का पैर टूट गया है। बताया जा रहा है कि कार चालक का ब्रेक पर से पैर स्लिप हो गया, जिससे यह हादसा हुआ। गाड़ी में टक्कर इतनी तेज थी कि मंत्री की गाड़ी का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मुंडेरा बाजार चौकी इंचार्ज अशोक शर्मा ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों काे सीएचसी पहुंचाया। साथ ही दोनों गाड़ियां किनारे कराकर सड़क से जाम हटवाया।

जांच पर अखिलेश यादव का तंज, बोले- 'कहीं SIT की रिपोर्ट ही चोरी न हो जाए'

राम मंदिर (Ram Mandir) में चढ़ावा एवं चंदा चोरी मामले की जांच जारी है। SIT ने राम मंदिर में हुए गबन की जांच के लिए करीब 140 पन्नों की रिपोर्ट तैयार की है। इसके अलावा SIT ने राम मंदिर में चंदा एवं चढ़ावा चोरी से जुड़े अहम सबूत एकत्र किए हैं। इस मामले की जांच कर रही SIT पर अखिलेश यादव ने तंज कसा है। राम मंदिर में दानपात्र से जुड़े गबन की जांच कर रही SIT पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव (Samajwadi Party President Akhilesh Yadav) ने तंज कसा है। अखिलेश ने अपने 'X' अकाउंट पर लिखा- SIT ध्यान रखे, कहीं जांच की रिपोर्ट ही चोरी न हो जाए। फिर कहेंगे 15 दिन और इंतजार कर लो। दिन इसलिए बढ़ा रहे हैं, क्योंकि सबूत ठिकाने लगा रहे हैं। अयोध्या राम मंदिर से जुड़े गबन की जांच कर रही SIT अहम सबूत लेकर लखनऊ लौट गई है। हालांकि, कुछ SIT अधिकारी अभी भी राम मंदिर परिसर में मौजूद हैं। सूत्रों के मुताबिक, SIT ने लगभग 140 पन्नों की जांच रिपोर्ट तैयार की है। SIT ने जांच पड़ताल के दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से बंद कमरे में करीब 3 घंटे तक पूछताछ की है। इस पूछताछ की वीडियोग्राफी भी कराई गई है। SIT के अधिकारी जांच रिपोर्ट को सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप सकते हैं। जांच रिपोर्ट सबमिट होने के बाद दोषियों पर कार्रवाई हो सकती है। SIT में शामिल लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ IG रेंज किरन एस व विशेष सचिव वित्त नील रतन ने 6 दिन में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, बैंक अधिकारियों, गणना कर्मियों व पकड़े गए संदिग्धों से लंबी पूछताछ की। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावे की राशि में चोरी की पुष्टि हुई है। SIT ने राम मंदिर के चढ़ावा चोरी से जुड़े अहम सबूत जुटाए हैं। इसमें गणना और बैंक कर्मियों के साथ टिन्नू यादव की भूमिका सामने आई है। बता दें कि अखिलेश यादव ने चढ़ावा चोरी का मामला उठाया था। इसके बाद 13 जून को सरकार ने SIT गठित की थी। SIT के अधिकारी मामले की जांच के लिए 15 जून को अयोध्या पहुंचे थे।

हापुड़ में एक ढाई साल के बच्चे के साथ क्रूरता की गई

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में एक ढाई वर्षीय मासूम बच्चे के साथ बर्बरता की सारी हदें पार कर दी गईं। घटना उस वक्त की है जब बच्चे के माता-पिता काम के सिलसिले में घर से बाहर गए हुए थे और बच्चा अकेला था। इसी का फायदा उठाकर बच्चे का सगा मौसा नदीम उसे टॉफी दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया और सुनसान जगह पर ले जाकर इस अमानवीय कृत्य को अंजाम दिया। पीड़ित के अनुसार , पीड़ित बच्चे की उम्र करीब 2.5 वर्ष है। 18 जून 2026 की दोपहर करीब 12 बजे आरोपी मौसा नदीम उनके घर पहुंचा और वह मासूम को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। मासूम बच्चे को गोदी में ले जाते हुए आरोपी का एक CCTV वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी मासूम बच्चे को गोदी में ले जाते हुए नजर आ रहा है। आरोपी मौसा ने बच्चे के साथ गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से मारपीट की और जलती हुई बीड़ी से मासूम के होंठ व चेहरे को बुरी तरह दाग दिया। शाम को जब माता-पिता काम से वापस लौटे तो बच्चे की हालत देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। डरे-सहमे मासूम ने रोते हुए अपने माता-पिता को मौसा नदीम की इस हैवानियत के बारे में बताया। आरोपी नदीम ने बच्चे को यह धमकी भी दी थी कि यदि उसने किसी को भी उसका नाम बताया तो वह उसे जान से मार डालेगा। घटना के बाद का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी नदीम मासूम बच्चे को एक ई-रिक्शा में बैठाकर ले जाते हुए साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। इस खौफनाक वारदात के बाद पीड़ित परिजनों ने स्थानीय पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए लिखित सूचना दी। थाना हापुड़ देहात पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मौसा नदीम के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी नदीम की तलाश में टीमें लगा दी गई हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।